भारतीय शिक्षा बोर्ड 2026-27

पाठ्यक्रम-कक्षा : 11

हिंदी

(अन्वेषा)

विषय कोड-101

माध्यमिक स्तर - XI

माध्यमिक स्तर पर कक्षा- 11 हिंदी भाषा एवं साहित्य शिक्षण के उद्देश्य—

1. **संचार कौशल विकसित करना—** छात्रों को हिंदी में पढ़ने, लिखने, सुनने और बोलने में सक्षम बनाना।
2. **शब्दावली और व्याकरण में सुधार करना—** विद्यार्थियों को भाषा की शुद्धता पूर्वक अभिव्यक्ति कौशल में दक्ष बनाना।
3. **बोध क्षमता का विकास—** विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं की पुस्तकों, जैसे–कविता, कहानी, उपन्यास, निबंध, आत्मकथा इत्यादि को पढ़कर समझने की दक्षता का विकास करना।
4. **रचनात्मक अभिव्यक्ति कौशल को प्रोत्साहित करना—** विद्यार्थियों को अपनी भावनाओं को लिखकर एवं बोलकर अभिव्यक्त करने में दक्ष बनाना।
5. **विवेचनात्मक सोच एवं समझ का विकास करना—** विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं की रचनाओं को पढ़कर, उनका विश्लेषण विवेचन तथा समीक्षा करने में दक्ष बनाना।
6. **उच्च शिक्षा के लिए तैयार करना—** विद्यार्थियों को कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, प्रतियोगी परीक्षाओं इत्यादि में सफलता पूर्वक प्रवेश लेने में दक्ष बनाना।
7. **सांस्कृतिक एवं नैतिक समझ को विकसित करना—** विद्यार्थियों को साहित्य के माध्यम से विभिन्न संस्कृतियों, कलाओं, परंपराओं इत्यादि से परिचित कराना।

अंक विभाजन

पूर्णांक-100

खंड			भारांक	कालांश
क	अपठित बोध		14	20
ख	व्यावहारिक व्याकरण		16	24
ग	पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक		30	60
घ	रचनात्मक लेखन		20	28
योग			80	132

भारांक— 80 वार्षिक परीक्षा + 20 आंतरिक परीक्षा

पाठ्यक्रम विभाजन

सत्रवार

सत्रीय परीक्षा -1	अद्‌र्धवार्षिक परीक्षा	सत्रीय परीक्षा -2	वार्षिक परीक्षा
• हिंदी साहित्य का इतिहास • हिमाद्री तुंग श्रृंग से • पीपल • भोलाराम का जीव	• हिंदी साहित्य का इतिहास • भोलाराम का जीव • अपभ्रंस के दोहे • हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया • जिंदगी से भागा हुआ • तुलसीदास के दोहे	• हिंदी साहित्य का इतिहास • भारतीय संस्कृति की देन • जूलिया • अपराध बोध • मासानां मार्गशीर्षोऽहम्	• हिंदी साहित्य का इतिहास • भारतीय संस्कृति की देन • जूलिया • अपराध बोध • मासानां मार्गशीर्षोऽहम् • गौरा • वो दिन अवश्य आएगा • वीर नारायण सिंह
व्याकरण के बिंदु	**व्याकरण के बिंदु**	**व्याकरण के बिंदु**	**व्याकरण के बिंदु**
• संचार-जनसंचार • जनसंचार माध्यमों का विकास • पत्रकारिता के विविध रूप	• जनसंचार माध्यमों का विकास • पत्रकारिता के विविध रूप • पत्रकारीय लेखन एवं शैली • सोशल मीडिया, सर्जनात्मक लेखन	• सोशल मीडिया, सर्जनात्मक लेखन • प्रमुख कथेतर विधाएँ • मौखिक अभिव्यक्ति	• कार्यालयी हिंदी लेखन • कार्यालयी पत्राचार • कोश परिचय • अनुवाद–सिद्धांत और प्रयोग • मुद्रण एवं प्रकाशन • संचार, बैंकिंग, विधि एवं प्रशासनिक शब्दावलियाँ

निम्नलिखित पाठ आंतरिक मूल्यांकन में शामिल किए जाएँगे—

- मालाबार का मोती कालीकट
- हमारे पूर्वज
- उतनी दूर मत ब्याहना बाबा
- कौड़ियों से क्लिक तक

आंतरिक मूल्यांकन में शामिल किए गए व्याकरण के बिंदु—

- कविता कैसे लिखें
- आओ कहानी बुनें
- नाट्य लेखन एवं मंचन
- पटकथा-संवाद लेखन, फिल्म समीक्षा
- नए विषयों पर लेखन

आंतरिक मूल्यांकन के बिंदु—

चर्चा, परिचर्चा, समूहवार्ता, भाषण, वाद-विवाद, परियोजना-कार्य, लघुशोध, कविता, कहानी, रिपोतार्ज, संस्मरण इत्यादि का लेखन, विद्यालय के सांस्कृतिक गतिविधियों में प्रतिभाग, सहपाठियों, पर्यावरण के प्रति किया गया व्यवहार इत्यादि।

पाठ्यक्रम विभाजन

क्रम	अनुक्रम	अवधि संख्या
1.	हिमाद्री तुंग श्रृंग से	6
2.	पीपल	7
3.	भोलाराम का जीव	8
4.	अपभ्रंस के दोहे	7
5.	हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया	7
6.	जिंदगी से भागा हुआ	6
7.	तुलसीदास के दोहे	7
8.	भारतीय संस्कृति की देन	6
9.	जूलिया	6
10.	अपराध बोध	7
11.	मासानां मार्गशीर्षोऽहम्	9
12.	गौरा	6
13.	वो दिन अवश्य आएगा	7
14.	वीर नारायण सिंह	6
	संपूर्ण	**96 अवधि**

व्याकरण कक्षा- 11 पाठ्यक्रम विभाजन

क्रम	अनुक्रम	अवधि संख्या
1.	संचार-जनसंचार	2
2.	जनसंचार माध्यमों का विकास	2
3.	पत्रकारिता के विविध रूप	1
4.	पत्रकारीय लेखन एवं शैली	2
5.	सोशल मीडिया, सर्जनात्मक लेखन	1
6.	कविता कैसे लिखें	2
7.	आओ कहानी बुनें	2
8.	नाट्य लेखन एवं मंचन	1
9.	पटकथा-संवाद लेखन, फिल्म समीक्षा	2
10.	नए विषयों पर लेखन	2
11.	मौखिक अभिव्यक्ति	2
12.	कार्यालयी हिंदी लेखन	2
13.	कार्यालयी पत्राचार	1
14.	कोश परिचय	2
15.	अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग	2
16.	मुद्रण एवं प्रकाशन	2
17.	संचार, बैंकिंग, विधि एवं प्रशासनिक शब्दावलियाँ	2
	संपूर्ण	**36 अवधि**